तापमान
अधिकतम 32 .7 डिग्री
न्यूनतम 11.6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

10 दैनिक हरिभूमि के 15वें कवि सम्मेलन में दिखा विविध ..

12 मेला बीता, सीजेआई और गृहमंत्री भी आ चुके, अब ..

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- नगर निगम सफाई कर्मचारियों की बैठक सुबह 11 बजे
- एमडीयू में शिक्षक कर्मचारी संघ का होली मिलन समारोह सुबह 11 बजे

खबर संक्षेप

गैस पर काम करते हुए युवक झुलसा

रोहतक। भिवानी चुंगी स्थित किराए के मकान में रहने वाला एक युवक रविवार को गैस पर काम करते हुए झुलस गया। उसे गंभीर व्यवस्था में पीजीआई में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है पुलिस के मुताबिक, बिहार निवासी बाबू कुमार एक फैक्ट्री में काम करता है। वह शाम को गैस पर काम कर रहा था। इस दौरान में झुलस गया। आस पास के लोगों ने उसे पीजीआई भर्ती कराया जहां उसका उपचार चल रहा था।

रोहिंग्या के मुद्दे पर चौबीसी चबूतरे पर पंचायत 15 को

महम। महम के अशोक नगर की झुग्गियों में रह रहे मुस्लिम परिवारों का मुद्दा ठंडा नहीं हो रहा है। भाजपा नेता अजीत अहलावत इन परिवारों को बांग्लादेश से आए रोहिंग्या मुसलमान बता रहे हैं। जबकि इन परिवारों के पास असम की आईडी है। रविवार को इस संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। अजीत अहलावत ने कहा है कि अब इस मुद्दे को लेकर 15 मार्च को सुबह दस बजे महम में चौबीसी चबूतरे पर पंचायत होगी।

वैदिक होली का कार्यक्रम कल

रोहतक। सनसिटी सेक्टर -35 के सामुदायिक केन्द्र में वैदिक होली कार्यक्रम 3 मार्च को सायं 5 बजे से सूर्यास्त तक सम्पन्न होगा। भारतीय त्योहारों के बिगड़ते स्वरूप की पवित्रता फिर से बहाल करने के लिए भारतीय सांस्कृतिक आयोजन में काफी संख्या में शहरवासी भाग लेंगे।

नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया

रोहतक। नशा मुक्त युवा खेलोगे तो खिलोगे ट्रस्ट एनजीओ द्वारा रविवार को रोहतक में नशा विरोधी पदयात्रा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस जन-जागरूकता अभियान में समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली और नशे के खिलाफ पूरा समाज एकजुट खड़ा दिखाई दिया। इस पदयात्रा में विश्व विख्यात बॉक्सर एवं अर्जुन अवॉर्डी स्वीटी बूरा मौजूद रहीं।

राजस्थान की ओर से आ रही शुष्क पश्चिमी हवाओं से किसानों की बढ़ी परेशानी, गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका

मार्च में ही पड़ेगी मई जैसी गर्मी, पहले ही दिन पारा सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

इस बार मार्च के पहले ही दिन सूर्यदेव रौद्र रूप दिखाने लगे हैं। तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसा रहा तो मार्च में कई जैसी गर्मी लोगों को सताएगी। बता दें कि फरवरी 2025 का प्रतिदिन का दिन का औसत तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस बार फरवरी का अधिकतम एवरेज 25.1 डिग्री दर्ज किया गया। यानी के मात्र 0.2 डिग्री फरवरी 2026 में ज्यादा रहा। लेकिन अब मार्च में ही तपिश बढ़ जाएगी। आईएमडी चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मुताबिक रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस

पार हो गया है। अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 अधिक है। न्यूनतम पारा नॉर्मल से 2.3 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया। यानी के दिन और रात अब गर्मी की तरफ बढ़ रहे है। ध्यान रहे कि मार्च 2021 में भी हरियाणा में समय से पहले और सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया गया था।

ये कारण होगा गर्मी बढ़ने का

- एक जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक राज्य में सामान्य से कम बरसात हुई है। आमतौर पर इन दोनों महीनों में राज्य में एवरेज 30.6 एमएम बरसात होनी चाहिए थी। इतनी बरसात होती तो ये सामान्य की श्रेणी में आ जाती। लेकिन 23.1 मिलीमीटर ही हुई।
- सामान्य बारिश होती तो मार्च में पारा इतना नहीं बढ़ता,जितना की अब बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। अगर राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं हुए तो मार्च के अंत तक पारा 38-40 डिग्री तक भी पहुंच सकता है।
- इस समय पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। राजस्थान की ओर से आ रही हवाएं हरियाणा के तापमान में अगले एक सप्ताह में काफी बढ़ोतरी कर देंगी। क्योंकि राजस्थान का काफी एरिया पश्चिमी हरियाणा के साथ लगता है। जैसे-जैसे राजस्थान का पारा बढ़ेगा, ऐसे ऐसे ही हरियाणा में भी गर्मी बढ़ना स्वभाविक है।

मार्च 2025 में कब-कब चढ़ा पारा

मौसम का विश्लेषण करने वाली साइट एक्यूवेदर के मुताबिक मार्च 2025 में 24 को 34, 25 को 36, 26 को 38 और 27 को अधिकतम तापमान 36 डिग्री दर्ज किया गया था। यानी के मार्च के अंतिम सप्ताह में ज्यादा गर्मी हुई थी। लेकिन इस बार मध्य मार्च में ज्यादा गर्मी होने की आशंका लगातार व्यक्त की जा रही है। आशंका केवल निर्मूल भी नहीं है। आज रविवार एक मार्च को राज्य का औसतन अधिकतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जोकि बढ़ते हुए तापमान का साफ संकेत है।

ये रहा मौसम का मिजाज

शहर	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
रोहतक	28.5	15.0
हिसार	30.5	14.4
महेंद्रगढ़	32.5	14.3
भिवानी	32.7	14.8
जींद	28.5	14.1
करनाल	29.4	14.7
सिरसा	28.7	13.4
सोनीपत	29.3	11.6

मार्च 2022 में ये रहा था हाल : मार्च 2022 में गर्मी जल्दी आने और तापमान में असामान्य वृद्धि के कारण गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ा था। इस भीषण गर्मी से दाने छोटे और कमजोर रह गए, जिससे पैदावार में भारी गिरावट (10 से 35% तक) दर्ज की गई, जो मुख्य रूप से गेहूं की बालियां भरते समय पड़ी।

गेहूं पर खतरा: तापमान में बढ़ोतरी विशेष रूप से गेहूं की फसल के लिए संवेदनशील मानी जाती है क्योंकि इस समय फसल बालियां बनने और दाने भरने की अवस्था में प्रवेश कर रही है। अधिक तापमान रहने से दाने पतले रह सकते हैं और उत्पादन घट सकता है। किसानों को सलाहहै कि उच्च तापमान और कम वर्षा को ध्यान में रखते हुए सिंचाई पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। समय पर और पर्याप्त मात्रा में पानी देने से फसलों की वृद्धि और स्वास्थ्य बनाए रखा जा सकता है।

मार्च 2022 में गर्मी जल्दी आने और तापमान में असामान्य वृद्धि के कारण गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ा था

18 एकड़ जमीन पर तैयार होगी, 4000 से अधिक पशु रखे जाएंगे

पहरावर में बनेगी नई गोशाला, गोवंश को आसरा, लोगों को मिलेगी राहत

- योजना पर तेजी से चल रहा काम, निर्माण जल्द
- बेसहारा पशुओं से सड़कों पर होने वाले हादसों से मिलेगी मुक्ति
- ठेकेदार को 35 रुपये प्रति गाय दे रहा है नगर निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती बेसहारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है। पहरावर में निगम की लगभग 18 एकड़ जमीन पर दूसरी गोशाला स्थापित करने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। इसमें करीब 4000 गोवंश को रखने की व्यवस्था की जाएगी। मौजूदा गोशाला में क्षमता से अधिक पशु होने के कारण नए बेसहारा पशुओं को रखने में दिक्कत आ रही है, जिससे सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में पहरावर स्थित गोशाला में पशुओं की संख्या निर्धारित क्षमता से अधिक हो चुकी है। हालात यह हैं कि वहां नए पशुओं के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। इसी को देखते हुए निगम ने पूर्व में अखिल भारतीय गौशाला के साथ करार किया था, ताकि अतिरिक्त पशुओं को वहां शिफ्ट किया जा सके।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी

पहरावर में उपलब्ध 18 एकड़ भूमि पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई गौशाला विकसित की जाएगी। इसमें पशुओं के लिए शेड, चारे-पानी की समुचित व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके साथ ही गोबर और जैविक अपशिष्ट के प्रबंधन की भी वैज्ञानिक व्यवस्था की जाएगी, जिससे पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा।

वाहन चालकों के लिए बन रहे खतरा

बेसहारा पशुओं की वजह से शहर की प्रमुख सड़कों पर हादसों की संख्या में इजाफा हुआ है। रात के समय अचानक सड़क पर आ जाने वाले पशु वाहन चालकों के लिए खतरा बन रहे हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो चुके हैं, जबकि बड़े वाहनों को भी अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं। नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा इस मुद्दे को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

निगम गोशाला में फिलहाल 2600 पशु

निगम की गोशाला में फिलहाल 2600 पशु है, जिसमें नगर निगम ठेकेदार को 35 रुपये प्रति गाय दे रहा है। उसमें ठेकेदार की तरफ से चारा, भूसा समेत अन्य सामग्री पशुओं को डाली जाती है। अगर बाहर से कोई गोसेवक आता है तो वह अपना चारा व गुड़ बाहर से ही खरीद कर लेकर आता है और गाय को खिलाकर चला जाता है।

निर्माण कार्य की रूपरेखा की जाएगी तैयार

जल्द ही पहरावर स्थित जमीन का मौके पर निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा और निर्माण कार्य की रूपरेखा तय की जाएगी। यदि सब कुछ योजना के अनुरूप रहा तो आगामी महीनों में निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। यह परियोजना पशु संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। **-नमिता कुमारी, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम ।**

भाऊ गैंग को सताया अपने गुर्गों के एनकाउंटर का डर

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा- पुलिस ने उठाए हमारे दो साथी

भाऊ रिटोलिया के नाम से की गई पोस्ट, पुलिस ने मामले को नकारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक निवासी कुख्यात गैंगस्टर 'हिमांशु भाऊ' के नाम से बनाए गए सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट डालकर दावा किया गया कि पुलिस ने दो युवकों को उठाया है और उनके साथ गलत किया जा सकता है। भाऊ रिटोलिया के नाम से की गई पोस्ट में पुलिस पर आरोप लगाते हुए युवकों की सुरक्षा को लेकर आशंका जताई गई है। देखते ही देखते यह पोस्ट वायरल हो गई और इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। बताया जा रहा है कि पोस्ट में लिखा गया कि दोनों युवक 'भाऊ' के करीबी हैं और उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है। साथ ही दावा किया गया कि फर्जी मुठभेड़ दिखाकर उनकी जान को खतरा हो सकता है। पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। हालांकि, रोहतक पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही जानकारी किसी मामले से जुड़ी हुई नहीं है। पहले भी कई बार ऐसी पोस्ट डाली जा चुकी हैं।

रिटौली गैंगवार में जा चुकी 6 की जान

हिमांशु भाऊ गैंग और सन्नी गैंग में अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में आईजी कार्यालय के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इससे पहले रिटौली में पांच और लोगों की मौत हो चुकी है। इन मामलों में संलिप्त गैंगस्टर हिमांशु विदेश में बैठकर नेटवर्क चला रहा है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दुकानदारों और व्यापारियों में दहशत का माहौल

महम में युवक के साथ सरेबाजार मारपीट, 6 युवकों पर मुकदमा

- कई बार स्कॉर्पियो से रास्ता रोकने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

शनिवार दोपहर को शहर के आजाद चौक में एक युवक के साथ कई युवकों ने सरेआम मारपीट की और उसको पकड़कर अपने साथ ले गए। बाजार में सरेआम हुई गुंडागर्दी से शहर के दुकानदारों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है। इस संबंध में पीड़ित युवक ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में फरमाणा बादशाहपुर गांव निवासी करमजीत उर्फ कर्मु पुत्र जगदीश ने बताया कि वह किसी काम से अपने दोस्त उत्तम के साथ हांसी गया था। वापसी में उत्तम ने कहा कि उसकी टेंपरेरी नंबर की एक काले रंग की कार है, वह उसको उसके घर ले जाए। वह उसकी गाड़ी लेकर अपने गांव फरमाणा की ओर जा रहा था। जब वह महम के पास शेरे पंजाब ढाबा के पास पहुंचा तो एक सफेद रंग की स्कोर्पियो गाड़ी ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। इसमें कई लोग बैठे हुए थे।

साजिश के तहत मारने के लिए भेजे युवक

कई बार स्कोर्पियो से उसका रास्ता रोकने की कोशिश की। वह अपने बचाव के लिए गाड़ी लेकर महम शहर में घुस गया। वहां पर उसका पीछा करते हुए 6 लोगों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट करते हुए वे आपस में नाम ले रहे थे। शहर में मारपीट के दौरान काफी भीड़ जमा हो गई। ये सभी युवक निंदाना निवासी विकेन उर्फ विकास ने साजिश के तहत उसको मारने के लिए भेजे थे। वह काफी डर गया था और उनसे छिपकर पुलिस के पास पहुंचा है। अब रात को पुलिस ने उसका मेडिकल करवाया है। पुलिस ने इस संबंध में राहुल, अमित, नीरज, राकेश, पंकज और विकेन उर्फ विकास के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अधिकारी शिकायतों का जल्द निपटारा करें, जवाबदेही तय हो

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि प्रशासन आमजन को उत्तरदायी एवं पारदर्शी व्यवस्था प्रदान करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है। जन शिकायतों का समाधान संवेदनशीलता, जवाबदेही और ठोस परिणामों के साथ सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिकायतों का धरातल पर वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जायेगा। प्रशासन ने नागरिक-सत्यापित शिकायत निवारण तंत्र प्रारंभ किया है। डीसी ने कहा कि संबंधित विभागाध्यक्ष शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत संवाद स्थापित करेंगे। शिकायत निवारण के लिए की गई कार्रवाई की भी स्पष्ट जानकारी देंगे ताकि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत का निपटान किया जा सकें। डीसी ने रविवार को समाधान शिविर, जनसंवाद, सीएम विंडो, सीपीग्राम्स तथा लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए।

सांपला नगरपालिका चुनाव के लिए प्रकाशित की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची

रोहतक। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) सचिन गुप्ता ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार नगर पालिका सांपला के प्रस्तावित आम चुनाव-2026 के लिए वार्डवार ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यह सूची आमजन के निरीक्षण के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। जनसाधारण ड्राफ्ट मतदाता सूची का अवलोकन उपमंडल अधिकारी (नागरिक) सांपला कार्यालय, तहसील कार्यालय सांपला, नगर पालिका सांपला तथा निर्धारित वीआईसीसी सेंटरों पर कर सकते हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावे एवं आपत्तियां 2से 7 मार्च तक (04 मार्च अवकाश) प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 3 बजे तक संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष निर्धारित स्थानों पर प्रस्तुत की जा सकेंगी। डीसी ने बताया कि वार्ड अनुसार दावे/आपत्तियां प्राप्त करने के लिए वार्ड 1, 2 व 3 के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के सांपला उपमंडल के उपमंडल अभियंता जोगेन्द्र मोर (9354726617) से संपर्क करें।

खेलकूद एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स व इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी तीनों का नाम है दर्ज

प्रिया, गीता और ऋतु तीन बहन नहीं एक टीम हैं कनाडा ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता कांस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कनाडा ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते किशोरी कॉलेज की छात्राओं ने कांस्य पदक जीता। तीन सगी बहने प्रिया यादव, गीता यादव और ऋतु यादव ने फिर एक बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 26 से 28 फरवरी तक कनाडा में आयोजित की गई। तीनों बहने कई बार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीत चुकी हैं एवं एक साथ खेलकर विश्व रिकार्ड भी अपने नाम कर चुकी हैं। प्रिया यादव, गीता यादव और ऋतु यादव तीन बहन नहीं एक टीम है। खिलाड़ियों की जीत से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। पिता जितेंद्र ने बताया कि बेटीयों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह पदक जीता है। अब तक तीनों ने 9 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। तीनों बहनें ताइक्वांडो की एक टीम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रही हैं। पिता का दावा है कि यह विश्व रिकॉर्ड है। लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स व गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स के लिए आवेदन कर रखा है।

रोहतक। प्रिया, गीता और रितु यादव अपने मेडल के साथ । फोटो: हरिभूमि

प्राचार्य डॉ. रश्मि लोहचब ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी

किशोरी कॉलेज प्राचार्य डॉ. रश्मि लोहचब, कोच अशोक व डॉ. कुसुम ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मूलरुप से तीनों बहने गुरुग्राम के वजीराबाद की निवासी है, लेकिन वर्तमान में जिले के किशोरी कॉलेज में पढ़ रही है। पिता ने बताया कि प्रिया, गीता और रितु यादव एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स व इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में नाम दर्ज है। उन्होंने बताया कि तीनों ने 2013 में ताइक्वांडो खेलना शुरू किया था। पिता ने बताया कि बेटियों ने चार-पांच साल बहुत संघर्ष किया है। उन्होंने बताया कि तीनों बेटियां जिले के किशोरी कॉलेज की छात्रा है।

पिता के शौक ने मुकाम तक पहुंचाया

सबसे बड़ी प्रिया ने बताया कि लोगों के ताने सुनकर लगता था कि मानो उन्हें ही हमारा खर्च उठाना पड़ रहा है। दूसरी तरफ पिताजी ने जमीन बेचकर और कर्ज लेकर हमें सब सुविधाएं उपलब्ध कराई। सामाजिक कुरीतियों के बीच से निकालकर तीन बेटियों को एक साथ अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना हर पिता के लिए संभव नहीं। मेरे पिता को भी खेलने का शौक था, लेकिन वे अपने शौक को आगे नहीं बढ़ा सके। हम तीनों को पिता पर बेहद गर्व है कि उन्होंने हमें योग्य बनाया। हम उन्हें कभी निराश नहीं होने देंगे। पिता ने बताया कि जिन्हें बे टियां पैदा होने पर मलाल होता है वे प्रिया, गीता व रितु की सफलता को देखकर बेटियों को समाज में दर्जा दें।

उपलब्धियां

तीनों बहनों ने 2022 में स्वीडन में आयोजित यूरोपियन कप में एक टीम में खेलते हुए रजत व कांस्य पदक जीता। 2025 में डब्ल्यूटी प्रेसिडेंट कप में तीनों ने कांस्य पदक जीता। 2025 में ऑस्ट्रेलिया ओपन में कांस्य पदक जीता। 2023 में ऑस्ट्रेलिया ओपन में रजत पदक जीता। 2023 में डब्ल्यूटी प्रेसिडेंट कप में स्वर्ण पदक जीता।

नहरी पानी चोरी कर रहे लोगों ने किसान का हाथ तोड़ा

दो मोटरसाइकिल भी नहर में फेंकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम थाना क्षेत्र के गांव निंदाना में खेत में नहरी पानी लगाने को लेकर दो किसानों का आपस में विवाद हो गया। इस विवाद में एक पक्ष के लोगों ने एक किसान के साथ मारपीट की। किसान का हाथ तोड़ दिया गया। यही नहीं पीड़ित किसान और उसके भतीजे की दो मोटर साइकिल नहर में फेंक दी गई। महम थाने में दी शिकायत में निंदाना के पाना तिगरी गांव निवासी राजेश पुत्र भीम सिंह ने बताया कि वह रात को उसका पानी का वार था और खेत में नहरी पानी लगा रहा था। किसान मिंदर पुत्र प्रथा से बातचीत करके सत्ते पुत्र कृष्ण ने मौके पर खड़ा होकर पानी मेरे खेत में बंधवा दिया। वह पानी बांधकर जब अपने खेत की ओर आया तो वहां पर पहले से ही मौजूद परजीत पुत्र जयभगवान नहर से दो रबर के पाइप (सुंडिया) लगाकर अवैध रूप से पानी की चोरी कर कर रहे थे। परजीत ने कहा कि पानी वह बांधेगा। उसने कहा कि पानी तो उसने बांध लिया है। उसकी मिंदर से बात हो गई है। इस बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस दौरान परजीत ने और उसके साथ आए ढिल्ला पुत्र प्रताप, अशोक पुत्र पप्पू और अन्य व्यक्ति ने उसके साथ मारपीट की। इस मारपीट में उन्होंने उसका हाथ तोड़ दिया। वह बड़ी मुश्किल से वहां से जान बचाकर भागा। उसका मोटर साइकिल खेत में नहीं मिला। इन चारों ने उसका और उसके भतीजे अमित पुत्र वजीर का मोटर साइकिल नहर में फेंक दिए। इस संबंध में पुलिस ने परजीत, ढिल्ला, अशोक और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अबीर-गुलाल

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 2 मार्च 2026

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नजर' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुड्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | **सविता गर्ग सावी**

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा क इब
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले पै
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | **दलबीर सिंह फूल**

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैंरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे. होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंच्ची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुरणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुरा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेद्दार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'
तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुरा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"

दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?" दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

चालक अजमेर सिंह 33 साल बाद सेवानिवृत्त

महम। राजस्व विभाग में चालक के पद पर कार्यरत रहे ड्राइवर अजमेर सिंह अहलावत शुक्रवार को सरकारी सेवा से सेवानिवृत हो गए। उन्होंने विभाग में 33 साल तक सेवाएं दी। एसडीएम व कई उच्च अधिकारियों के पास उन्होंने सेवाएं दी। फिलहाल वे महम में तहसीलदार के ड्राइवर थे। शुक्रवार दोपहर को विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनकी सेवानिवृति के मौके पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। ढोल नगाड़ों के साथ खुली जीप में उन्हें तहसील कार्यालय से उनके घर तक ले जाया गया। मारुति एजेंसी के पास स्थित उनके आवास पर सभी के लिए भोज रखा गया। सभी ने उनके कार्यकाल की सराहना की। कहा कि उन्होंने ईमानदारी, निष्ठा व लग्न से काम किया।

रोहतक में सजी यादों की महफिल, देश-विदेश से लौटे गोच्छवाल परिवार के सदस्य

8वां अंतरराष्ट्रीय परिवार मिलन व होली समारोह उत्साह के साथ सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते लोक कलाकार डॉ. जगबीर राठी ।

वर्षों पहले गांव से निकलकर देश-विदेश के विभिन्न शहरों में बसे गोच्छी गांव के परिवारों के सदस्य रविवार को फिर एक बार अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए। मौका था गोच्छवाल प्रवासी सोसायटी द्वारा आयोजित 8वें अंतरराष्ट्रीय परिवार मिलन एवं होली मिलन समारोह का। कार्यक्रम गोहाना रोड स्थित गरिमा गार्डन में हर्षोल्लास और पारिवारिक आत्मीयता के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

समारोह की शुरुआत गांव के 97 वर्षीय वरिष्ठ सदस्य जयकरण द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। दीप जलते ही तालियों की गूंज से पूरा पंडाल उत्साह से भर उठा। यह क्षण उपस्थित लोगों के लिए भावनात्मक और प्रेरणादायक रहा, जिसने कार्यक्रम को पारंपरिक गरिमा प्रदान की। समिति के प्रधान बलजीत सिंह अहलावत ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल एक मिलन नहीं, बल्कि समाज की एकता, सहयोग और भविष्य की दिशा तय करने का माध्यम है। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक उत्थान और समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराते हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संरक्षक ढाल चंद अहलावत, डॉ. जसबीर अहलावत, चेयरमैन जसबीर अहलावत, राजेश बबल, युद्धवीर सिंह, नरेंद्र सिंह तथा पूर्व विधायक डॉ. वीरेंद्र पाल, कैप्टन सुखबीर सिंह, महासचिव प्रेम सिंह, कोषाध्यक्ष बलवान सिंह, डॉ.रविंद्र पाल, उप-प्रधान रमेश अहलावत, अनिल बिंदल उप प्रधान वैश्य संस्था, विजेंद्र सरपंच प्रतिनिधि, धर्मवीर हुड्डा, नरेंद्र हुड्डा, सुरेंद्र हुड्डा, रमेश बिंदल, पूर्व सरपंच जोगेन्द्र काला, हेडमास्टर करण सिंह, हेड मास्टर बलवान सिंह, परवीन, बिजेंद्र चौहान, लक्ष्मण खन्ना, रविंद्र बिरला, सुरेंद्र सिंह, रणजीत सिंह जगबीर सिंह राजवीर रोहिल्ला तेज सिंह रोहिल्ला, शमशेर पांचाल सहित समाज के अनेक सम्मानित सदस्य भी उपस्थित रहे। मंच संचालन राजवीर भारद्वाज द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया।

नई पीढ़ी ने जाना अपनी जड़ों का इतिहास : समारोह में युवाओं और बच्चों के लिए विशेष संवाद सत्र रखा गया, जिसमें बुजुर्गों ने गांव के इतिहास, परंपराओं और परिवार की विरासत से जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा किए। नई पीढ़ी ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और अपनी सांस्कृतिक पहचान को समझने का संकल्प लिया।

होली के रंगों में घुली भाईचारे की मिठास : कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पारंपरिक व्यंजनों के साथ सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई। एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करना एकता और समानता का संदेश देता नजर आया।

डॉ. राठी ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार डॉ. जगबीर राठी की प्रस्तुति रही। उनकी प्रसिद्ध रचना 'माटी का चूल्हा' ने श्रोताओं को अपने गांव और बचपन की स्मृतियों में लौटा दिया। कई बुजुर्गों की आंखें नम हो गईं, वहीं युवाओं ने तालियों से कलाकार का स्वागत किया।

बेटियों का सम्मान

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर गांव का नाम रोशन करने वाली बेटी प्राची अहलावत और शालिनी अहलावत को विशेष सम्मान से नवाजा गया। मंच संचालन राजवीर भारद्वाज ने प्रभावशाली और संयोजित ढंग से किया, जिससे पूरा कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

बरसों बाद मिले बचपन के साथी

समारोह का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला जब कई बुजुर्ग वर्षों बाद अपने बचपन के मित्रों से मिले। गले मिलते ही पुरानी यादें ताजा हो गईं। गांव की गलियों, खेत-खलिहानों और बचपन की शरारतों की चर्चा ने माहौल को आत्मीय बना दिया। यह पुनर्मिलन रिश्तों की डोर को और मजबूत करने वाला साबित हुआ।

चार विकेट लेने वाले गेंदबाज अंकित शर्मा को मिला मैन ऑफ द मैच का खिताब

बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने गोयल क्लब को 24 रन से पराजित किया

आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए अभिषेक सहारन ने 21 गेंदों पर 43 रन बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गोयल क्रिकेट क्लब ने 7 विकेट पर बनाए 121 रन

बख्तावर क्रिकेट ग्राउंड मायना में खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने गोयल क्रिकेट क्लब को 24 रन से पराजित किया। शानदार गेंदबाज़ी के लिए अंकित शर्मा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। बल्लेबाज़ी में प्रभावशाली पारी खेलने वाले अभिषेक सहारण को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया।

टॉस जीतकर गोयल क्रिकेट क्लब ने पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए चौधरी बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 145 रन बनाए। टीम की ओर से अभिषेक सहारण ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 21 गेंदों पर 43 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल थे। नितिक पंघाल ने 19 गेंदों पर 29 रन का योगदान दिया, गोयल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाज़ी में अंकित शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट झटके। कप्तान अभिनव गुप्ता ने 4 ओवर में 17 रन देकर 1 विकेट लिया।

146 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोयल क्रिकेट क्लब की टीम की शुरुआत धीमी रही। दीपांशु भारद्वाज ने 33 गेंदों पर 38 रन बनाए, जबकि आर्यन खंगवाल ने 25 गेंदों पर 26 रन का योगदान दिया। पूरी टीम 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 121 रन ही बना सकी और 24 रन से मुकाबला हार गई। बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब की ओर से अंकित शर्मा ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया।

रोहतक। अंकित शर्मा को सम्मानित करता कोच दिनेश नैन। फोटो : हरिभूमि

फुटबॉल फॉर स्कूल्स अभियान के तहत 270 स्कूलों में 1620 गेंदों का किया वितरण

रोहतक। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फिफा की संयुक्त पहल 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स' (एफ4एस) के माध्यम से रोहतक जिले में खेल जगत को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत जिले के कुल 270 स्कूलों को चिन्हित किया गया है, जिनमें अब तक कुल 1620 फुटबॉल वितरित की जा चुकी हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण और जमीनी स्तर पर गेंदों के प्रति रुचि जगाना और खेल संस्कृति को अधिक समावेशी बनाना है। इस राष्ट्रीय अभियान को सुचारू रूप से लागू करने के लिए जिले में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय घुसकानी को नोडल सेंटर बनाया गया है। वितरण की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रशासन ने इससे पहले 13 फरवरी 2026 को विद्यालय परिसर में प्रथम चरण का सफल आयोजन किया था, जहाँ बड़ी संख्या में स्कूलों ने अपनी आवंटित खेल सामग्री प्राप्त की थी। प्रथम चरण की सफलता के बाद, जो स्कूल किसी कारणवश सामग्री नहीं ले पाए थे, उनके लिए वितरण का दूसरा चरण 23 फरवरी से 28 फरवरी तक निर्धारित किया गया था। कुल 270 स्कूलों में 1620 फुटबॉल वितरित की गई है। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यापक दायरा है। छात्र संख्या के आधार पर प्रत्येक विद्यालय को 3 से 10 फुटबॉल तक आवंटित की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सामग्री उपलब्ध हो सके।

- पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर फुटबॉल के प्रति रूचि जगाना

वालंटियर्स ने कॉलेज के आसपास चलाया स्वच्छता अभियान

रोहतक। कार्यक्रम में अधिकारियों और वालंटियर्स को सम्मानित करते मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद व कॉलिज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष शादी लाल बत्रा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलानौर

सत जीन्दा कल्याणा महाविद्यालय, कलानौर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व राज्य सभा सांसद व कॉलिज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष शादी लाल बत्रा मुख्य अतिथि, सचिव महेन्द्र कुमार खुराना, विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा सदस्य वेद प्रकाश बत्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रातः सत्र में वालंटियर्स ने महाविद्यालय के आसपास स्वच्छता अभियान चलाते हुए सफाई की। इस दौरान वालंटियर्स ने स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया। स्वंयसेविकाओं ने कालेज परिसर में सुन्दर रंगोली बनाकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मानसा राय और डॉ. उमेश कुमार ने सात दिवसीय शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर वालंटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुन्दर प्रस्तुती भी दी, जिसे सभी ने बहुत सराहा। इस दौरान वालंटियर्स खुशी व इशान ने भी शिविर से जुडे अपने अनुभव भी सांझा किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से विद्यार्थियों में अनुशासन, समय पालन, सहयोग, संबंध और नेतृत्व गुणों का समुचित विकास होता है। महेन्द्र कुमार खुराना ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश दिया। उर्मिला दलाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और और इस शिविर से जो शिक्षा ग्रहण कि उसे अपने जीवन में धारण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. मानसा राय व डॉ. उमेश कुमार ने प्रबन्धन समिति के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

श्री राम शर्मा पार्क में हुआ होली मिलन व सम्मान समारोह

पं. श्रीराम शर्मा विचार मंच ने मनाई फूलों वाली भव्य होली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद पं श्रीराम शर्मा विचार मंच के अध्यक्ष डॉ अशोक दीक्षित व अन्य सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नया बस स्टैंड के पास पं श्रीराम शर्मा पार्क व प्रतिमा स्थल पर विचार मंच की तरफ से होली मिलन समारोह व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पं श्रीराम शर्मा विचार मंच के अध्यक्ष डॉ अशोक दीक्षित ने बताया कि महान स्वतंत्रता सेनानी व संविधान निर्माण सभा के सदस्य पं श्रीराम शर्मा के नाम से पार्क व उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है। पिछले चार दशक से सामाजिक कार्य करने पर सर्व समाज के प्रतिनिधियों के द्वारा सर्व समाज की तरफ से पगड़ी भी डॉ अशोक दीक्षित को पहनाकर सम्मानित किया गया। डॉ अशोक दीक्षित ने बताया कि विचार मंच के द्वारा फूलों वाली होली मिलन समारोह व दानवीरों, संघर्षशील साथियों को सम्मान पत्र भेंट करके सम्मानित किया गया है। डॉ अशोक दीक्षित ने बताया की पं श्रीराम शर्मा विचार मंच द्वारा होली मिलन समारोह सादगी, उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर रंगों की होली नहीं, बल्कि केवल फूलों की होली खेली गई। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद विश्विद्यालय में पं श्रीराम शर्मा शोधपीठ स्थापित करने के लिए समाज द्वारा 14 लाख और कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा द्वारा 11 लाख का सहयोग किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस मोके पर हरियाणा ब्राह्मण सभा अध्यक्ष सतीश गौतम,पं श्रीराम शर्मा के पौत्र मंच अंशु शर्मा, कुलदीप शर्मा ,रणधीर भारद्वाज, ईश्वर मलिक,धर्म सिंह प्रजापति, सत्यवान राजा,राजकुमार शर्मा, सतीश प्रकाश पहरावर, इंद्र शर्मा ,अनूप डागर,डॉ जयपाल शर्मा,डॉ जयनारायण शर्मा,सुरेश जयहिंद,चित्रलेखा शर्मा,नवीन शर्मा,नरेश भारद्वाज, ज्ञानीराम भारद्वाज, प्रधान खुशीराम शास्त्री ,डॉ सुरेश नांदल, चेयरमेन एडवोकेट सतीश कौशिक, इंद्र भारद्वाज ,डॉ महेंद्र दीक्षित, नफे सिंह कौशिक, नवीन दीक्षित,विनोद शर्मा,आनंद शर्मा ,नरेंद्र वत्स,नरेश गौड़,संजय गौड़,रामलखन शर्मा,अमन शर्मा,सुरेश कौशिक समेत अनेको सदस्य मौजूद रहे।

पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ ने किया कार्यक्रम

खण्ड शिक्षा अधिकारी संध्या सुमन को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

चरखी दादरी में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु पदोन्नत खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती संध्या सुमन को हरियाणा दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ द्वारा मोमेंटो एवं पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया।

एम.ए. इतिहास, एम.ए. राजनीति विज्ञान, एम.एड. एवं नेट से शिक्षित संध्या सुमन ने अपने करियर की शुरुआत अध्यापिका के रूप में की और मुख्य अध्यापिका व प्राचार्य के पदों पर सफलतापूर्वक कार्य करते हुए आज खण्ड शिक्षा अधिकारी के पद तक पहुँची हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में नारी शक्ति को बढ़ावा देने, शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने, हर बच्चे तक शिक्षा पहुँचाने तथा बाबा साहब के विचारों को व्यवहार में उतारने पर विशेष जोर दिया। उनके नेतृत्व में विद्यार्थियों को खेल, भाषण, निबंध एवं विज्ञान प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे अनेक विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय पहचान बनाई। शिक्षा उत्थान के क्षेत्र में उनके प्रयासों से विद्यालय का प्रदर्शन इतना उत्कृष्ट रहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के परिणामों में विद्यालय ने पूरे हरियाणा में दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा अनेक छात्राओं ने मेरिट सूची में स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनका यह सम्मान शिक्षा, समर्पण में किए गए उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है।

दयानंद मठ में प्रतिमास प्रथम सप्ताह यज्ञ का किया शुभारंभ

मानव-धर्म का विधिवत पालन करना चाहिए : प्रोफेसर भूपसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। मासिक वैदिक सत्संग में प्रवचन देते मुख्यवक्ता वैदिक विद्वान प्रोफेसर भूपसिंह (यूनिवर्सिटी, भिवानी) । फोटो : हरिभूमि

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा द्वारा रविवार को दयानन्द मठ में प्रतिमास के प्रथम सप्ताह में होने वाले मासिक वैदिक सत्संग का शुभारम्भ यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। इसके बाद स्वामी सच्चिदानन्द (पाण्डवान, जिला चरखी दादरी) ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में परमपिता परमात्मा का गुणगान करते हुए मनुष्य जीवन के आवश्यक कर्त्तव्य-कर्म की ओर संकेत करते हुए बहुत ही सुन्दर सन्देश दिया। तत्पश्चात रामअवतार पुरुषार्थी, हनुमत मकड़ौली, बहन सुदेश आर्या एवं उमेद आर्य (महेन्द्रगढ़) ने अपने भजनों एवं प्रवचनों के माध्यम से देश-भक्ति, भारत देश की वर्तमान दुर्दशा तथा ऋषिवर देवदयानन्द द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुन्दर सन्देश दिया।

महावीर शास्त्री ने महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा प्रेरित स्वाधीनता संग्राम में शहीद हुए उन वीरों का भी जिक्र किया जिसमें पं0 रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां तथा राजेन्द्र लाहिड़ी आदि ने बलिदान दिए थे। मंच का कुशल संचालन करते हुए वेदप्रचार मण्डल जिला प्रधान सुभाष सांगवान ने बताया कि हमें महापुरुषों के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। इस बारे में अनके उदाहरण प्रस्तुत किए।

सनातन धर्म की चर्चा बहुतायत

उन्होंने कहा कि आजकल सनातन धर्म की चर्चा बहुतायत है, हमें समझना चाहिए कि सनातन धर्म क्या है और उसका मुख्य उद्देश्य क्या है? उन्होंने शुद्ध खान-पान, शुद्ध रहन-सहन तथा शुद्ध आचार-विचार को विशेष महत्त्व दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य स्वयं अपना निर्माण करता है, क्योंकि अच्छाई का फल अच्छा और बुराई का फल बुरा होता है। इसलिए हमें उत्तरोत्तर अच्छे कर्म ही करने चाहिएं। उन्होंने सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और अच्छे लोगों के संसर्ग में आकर अपने जीवन को बदलना चाहिए। हमें अच्छे कर्म करने चाहिएं जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे।

फिल्म डीएलसी सुपवा के विद्यार्थियों ने तैयार की डॉक्यूमेंट्री फिल्म

दीया कुमारी ने लॉन्च किया 'रावण हत्था' का पोस्टर

'लोक कला संगम' के समापन सत्र में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री मुख्यातिथि बनकर पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'रावण हत्था' का पोस्टर को लॉन्च करते राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी । फोटो : हरिभूमि

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों द्वारा बनाई डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'रावण हत्था' का पोस्टर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर में लॉन्च किया। 'रावण हत्था' राजस्थान की प्राचीन लोक वाद्य परंपरा को लोगों के बीच फिर से जीवंत करती है। इसके डायरेक्टर एवं सुपवा के छात्र अरविंद चौधरी ने अपने कुलगुरु डॉ अमित आर्य व अन्य स्टाफ से मिलकर आशीर्वाद लिया।

'रावण हत्था' की पोस्टर लॉन्चिंग जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में संस्कार भारती द्वारा आयोजित 'लोक कला संगम' कार्यक्रम के समापन सत्र में हुई, जहां उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि रहीं।

डीएलसीसुपवा के एफटीवी डिपार्टमेंट के 2018 बैच के छात्र अरविंद चौधरी ने बताया कि राजस्थान की लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से इस डॉक्यूमेंट्री को संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा बनवाया गया है। इसके लिए शोध एवं निर्देशन स्वयं अरविंद ने किया, जबकि छायांकन रिदम तंवर, संपादन यश चोपड़ा, ध्वनि सज्जा तन्मय भुटानी, सह संपादक दिनेश कुमार, ध्वनि मुद्रक मोहित वत्स रहे। ये सभी डीएलसीसुपवा के ही छात्र हैं।

कुलगुरु अमित आर्य ने शुभकामनाएं दी

डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे छात्र निश्चित तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में अच्छा कार्य कर रहे हैं। संस्कृति मंत्रालय द्वारा सुपवा के छात्रों को डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रोजेक्ट देना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उन्हें यहां के छात्रों के काम पर पूरा भरोसा है। निश्चित तौर पर अन्य छात्रों का भी ऐसे उत्साहवर्धन से मनोबल बढ़ेगा और ये आगे चलकर बॉलीवुड व हॉलीवुड में भी अपने सुपवा परिवार, प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा, एफटीवी के एफसी महेश टीपी, डीन अकेडमिक डॉ अजय कौशिक आदि भी मौजूद रहे।

डोभ धाम में बालाजी की महिमा का गुणगान किया

रोहतक। भिवानी रोड स्थित बालाजी धाम गाँव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार बालाजी धाम डोभ पर संकीर्तन, भंडारा एवं निशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया जाता है। जिसमें आंख जाँच, दांत जाँच, फिजियोथेरेपिस्ट, मेडिसिन और देशी वैद्य द्वारा इलाज किया जाता है। सभी दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिये जाते हैं। धाम पर सुंदर संकीर्तन हुआ, जिसमें विनोद गुप्ता और अमित कौशिक द्वारा बालाजी के सुन्दर सुन्दर भजनों का गुणगान किया गया। रिंकू महादेव द्वारा सुन्दर-सुन्दर झांकियों प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मण्डल तेज कॉलोनी रोहतक दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 9 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिये चलती है। दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचण्ड कर के यात्रा की शुरुआत की जाती है।

रोहतक। अपनी समस्याएं के लिए विधायक बीबी बत्रा से मुलाकात करते एमबीबीएस छात्रों का प्रतिनिधिमंडल। फोटो :हरिभूमि

एमबीबीएस छात्रों ने बॉन्ड पॉलिसी पर विधायक बीबी बत्रा से की मुलाकात

रोहतक। एमबीबीएस छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. अंकित वर्मा के नेतृत्व में विधायक बीबी बत्रा से मुलाकात कर एमबीबीएस बॉन्ड पॉलिसी से जुड़ी चिंताओं से अवगत कराया। छात्रों ने वर्तमान बैच के सामने आ रही प्रमुख समस्याएं रखते निष्पक्ष एवं पारदर्शी समाधान हेतु उनका सहयोग मांगा। बीबी बत्रा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि वे छात्रों की न्याय की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं। यह भी कहा कि वे मुद्दे को बजट सत्र में उठाकर आवश्यक स्पष्टता और उचित राहत दिलाने का प्रयास करेंगे।

साहित्य, संवेदना और देशप्रेम का उत्सव

दैनिक हरिभूमि के 15वें कवि सम्मेलन में दिखा विविध रसों का संगम

रोहतक। फरवरी की मीठी-मीठी ठंड, देशभक्ति का जोश, हंसी की फुहार, प्रेम भरी शायरी और हरियाणवी चुटकुलों का अद्भुत संगम एक बार फिर रोहतक में सजा। मौका था महर्षि दयानंद विश्व विद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में दैनिक हरिभूमि के 15वें कवि सम्मेलन का। सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक परंपरा ने एक बार फिर इतिहास रचा और रोहतक कवियों की रचनाओं से सराबोर हो गया। हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं ने देर रात तक कविता के विविध रसों का आनंद लिया और तालियों की गूंज से पूरा ऑडिटोरियम बार-बार मुखरित होता रहा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने मंच की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने आर्य समाज के पुरोधा चौधरी मित्र सेन जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की और मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर साहित्यिक संध्या का श्रीगणेश किया। इसके बाद श्रृंगार रस की सुप्रसिद्ध कवयित्री मुमताज नसीम ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत कर ऐसा भावपूर्ण वातावरण रचा कि पूरा सभागार श्रद्धा और साहित्यिक माधुर्य में डूब गया। कार्यक्रम में मंच संचालन आकाशवाणी रोहतक के वरिष्ठ उद्घोषक संपूर्ण सिंह बागड़ी ने किया। कार्यक्रम में आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन कैप्टन रुद्रसेन, हरियाणा सरकार के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा, श्याम इंडस पॉवर सोल्यूशन्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक, मेजर सत्यपाल सिंधु, रोहतक के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पीजीआईएमएस के डायरेक्टर डॉ. सुरेश सिंघल, भाजपा नेता नवीन दुल, भाजपा सभी प्रकोष्ठों के जिला प्रभारी डॉक्टर अशोक रंगा, बार काउंसिल हरियाणा पंजाब के पूर्व चेयरमैन विजेंद्र सिंह अहलावत सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे

75 साल में रिटायर हो जाऊंगा, हो सकता है दोबारा न आऊं : ओज के अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. हरिओम पंवार ने मंच से कहा कि मेरी उम्र 75 साल की होने वाली है। उन्होंने व्यंग्य कसा कि वैसे तो राजनीति में भी 75 साल में रिटायरमेंट ले लेनी चाहिए, पता नहीं लोग क्यों रिटायर नहीं हो रहे। लेकिन मैं जिस दिन 75 साल को हो जाऊंगा उस दिन मंच से खुद ही रिटायरमेंट ले लूंगा। डॉ. हरिओम पंवार ने यह भी कहा कि हो सकता है यह मेरा रोहतक में आखिरी कवि सम्मेलन हो। इस बात पर श्रोता भावुक हो गए। कवि सम्मेलन में सबसे पहले हास्य कवि महेश दलाल ने मंच संभाला और अपनी हरियाणवी कविताओं से सभी को हंसा हंसाकर लोट पोट कर दिया। शायर कुंवर रणजीत चौहान ने भी एक से बढ़कर एक शेर पेश किए। श्रृंगार रस की कवयित्री मुमताज नसीम ने अपनी गजलों और शायरी से प्रेम और भावनाओं की मधुर धारा बहाई। हास्य कवि महेश गर्ग बेधड़क ने अपनी अनूठी प्रस्तुति से माहौल को हल्का-फुल्का और आनंदमय बनाए रखा। कवि सम्मेलन का रंग उस समय और गाढ़ा हो गया जब ओज के प्रख्यात कवि डॉ. हरिओम पंवार ने मंच संभाला। उन्होंने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से लोगों में जोश भरा।

डॉ. हरि ओम पंवार

– आसमान के तारे नहीं तोड़ता मैं, यूं ही ऊंची ऊंची नहीं छोड़ता मैं, मैं भारत के अंतर्मन के गाता हूं, फुटपाथों के जन गण मन को गाता हूं, महलों की चौखट पर नहीं बिका हूं मैं, दरबारों के दम पर नहीं टिका हूं मैं, कोई मेरा भाव लगाने आता है, कोई मुझ पर दांव लगाने आता है, सत्ता और विरोधी सब बहलाते हैं, कभी-कभी तो वो मुझको धमकाते हैं, मैं हरिओम पंवार किसी से डर जाऊं, इससे अच्छा तो है मैं मर जाऊंये जो सितारे हैं शोभा बढ़ा रहे हैं आसमान की, ये शहीदों की आंखें हैं जो हालत देख रही हैं हिंदुस्तान की

– हम अतीत की सरकारों में शर्मिंदा रह जाते थे, भारत मुर्दाबाद बोलकर वो जिंदा रह जाते थे, भारत के झंडे जलते थे, दिल्ली चुप रह जाती थी, हमारी सेना हाथ बांधे खड़ी रह जाती थी, अब घुटनों पर पिंडी और लाहौर दिखाई देते हैं, मौसम बदला, बदला तेवर तौर दिखाई देते हैं। भारत ने हर समझौते का आदि बनना छोड़ दिया, कुछ मसलों पर हमने बापू गांधी बनना छोड़ दिया, अब खंडित भारत मां की तस्वीर नहीं होने वाली, कश्मीर किसी के अब्बा की जागीर नहीं होने वाली…

सुदीप भोला

–ना घरवाली से डरता है, न घर वालों से डरता है, ससुर से सास न साली न सालों से डरता है, तुम्हारे इश्क में कब का मुस्लमान हो गया होता, मगर आशिक तेरा बजरंग दल वालों से डरता है

–एसआईआर पर कविता..... ए भाई जरा देखके भरो, वोटर ही नहीं चीटर भी, बाहर ही नहीं अंदर भी, ऊपर ही नहीं नीचे भी, जो यहां मर गया, उसका भी, सूचि में गली लिखी गांव लिखे, एक नहीं चार लिखे, ऊपर से आजा है वोट देके पता नहीं कहां चला जाता हैसलमान खान पर कविता

–काला काला चितल काहें को मारा, आज बचा नहीं कोई बेचारा, छत पे सोया था बिश्नोई, नीचे सल्लू की नींद खो गई, फिर भी ना बोला माफ करना गलती म्हारे से हो गई।

मुमताज नसीम

–सारे शिकवे गिले भूल जाएंगे हम, इस तरह आज होली मनाएंगे हम, प्यार के रंग में इस तरह नहाएंगे हम, इस तरह आज होली मनाएंगे हम, अब कलाई ना उनसे छुड़ाएंगे हम, वो मनाएंगे तो मान जाएंगे हम, आज इस तरह होली मनाएंगे

–हम चाहत में हर पल दिल का गुलशन महकाना पड़ता है, खून में लिखकर मजमून जलाना पड़ता है, शाहजहां बनने वालों को ताजमहल बनाना पड़ता है

–दिल को नाशाद करती रहती हूं, खुद को बर्बाद करती रहती हूं, मुझको डसने लगी है तन्हाई, तुम्हें याद करती रहती हूंरंग ही रंग हो सिर्फ जिसमें, ऐसी तहरीर क्यों मांगते हो, जब मैं खुद हो गई हूं तुम्हारी तो मेरी तस्वीर क्यों मांगते हो

दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरुआत

हरिभूमि के 15वें कवि सम्मेलन का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, कार्यक्रम अध्यक्ष व टाइटल स्पोंसर एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन, इंडस एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर सुभाष श्योराण, हरिभूमि स्थानीय संपादक हिमांशु घिल्डियाल व राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता व खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम को स्मृति चिन्ह भेंट करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु।

कार्यक्रम के अध्यक्ष व टाइटल स्पोंसर एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन को बुके भेंट कर स्वागत करते श्याम इंडस पॉवर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मेजर सत्यपाल सिंधु।

समाजसेवी जसवीर कुमार को सम्मानित करते पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन व राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा।

बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा को सम्मानित करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु व एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन।

समाजसेवी विजय मित्तल को सम्मानित करते एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन व आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु।

समाजसेवी जसवीर कुमार

अपने कर्म, समर्पण और साहस से समाज सेवा को नई पहचान देने वाले जसवीर कुमार को स्मृति चिह्न और शॉल भेंट किया गया। जसवीर सात–आठ वर्षों से निरंतर समाज सेवा के कार्यों में समर्पित हैं। टूटी सड़कों को बनवाने की बात हो, गलियों को पक्का करवाने की पहल हो, दूषित पेयजल की समस्या को दूर करवाना हो, या फिर गंदगी हटवाकर स्वच्छता का संदेश देना हो, हर मोर्चे पर जसवीर कुमार जनता की आवाज उठाने का काम कर रहे है।

बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा

रुड़की के रहने वाले बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा को पिछले 13 वर्षों से लड़कियों को निःशुल्क बॉक्सिंग ट्रेनिंग देने लिए स्मृति चिह्न और शॉल भेंट करके सम्मानित किया गया। आज उनके मार्गदर्शन में 10 राज्यों की 70 बेटियां प्रशिक्षण ले रही हैं, जिनमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मणिपुर, राजस्थान, महाराष्ट्र और पंजाब की खिलाड़ी शामिल हैं। यह अपने आप में एक सामाजिक क्रांति है, जहां एक कोच ने अपने गांव को बेटियों के सपनों का अखाड़ा बना दिया।

समाजसेवी विजय मित्तल

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन सेवा करने, सरकारी स्कूलों में कमरे बनवाने, स्वास्थ्य जांच शिविर लगवाने जैसे कई समाज हित के कार्यों के लिए विजय मित्तल को स्मृति चिह्न और शॉल भेंट करके सम्मानित किया गया। आप वर्तमान में बैंसी गोशाला के प्रधान हैं तथा श्री कृष्ण गोशाला, महम के प्रधान के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गोसेवा के प्रति आपकी अटूट निष्ठा का प्रमाण है कि आप अब तक लाखों रुपये का दान गोवंश की सेवा में समर्पित कर चुके हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आपका योगदान अत्यंत प्रशंसनीय है।

कवि सम्मेलन में हास्य कविताओं से दर्शक लोटपोट हो गए। लोगों ने तालियां बजाकर कवियों का उत्साह बढ़ाया।

देश के प्रसिद्ध कवियों को सुनने के लिए शहर उमड़ पड़ा। युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। हास्य कविताओं का उन्होंने जमकर लुत्फ उठाया।

कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग की सराहनीय उपस्थिति रही। बच्चों के साथ वरिष्ठ नागरिकों ने हरियाणवी हास्य रचनाओं पर जमकर तालियां बजाई।

महिला शक्ति मिथिलेश को सम्मानित करते कार्यक्रम अध्यक्ष एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन व शहर के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल।

नव जागृति महिला किसान क्लब

महिला शक्ति मिथिलेश को महिलाओं के स्वरोजगार को नई दिशा देने और उन्हें आत्मिनर्भर बनाने के लिए स्मृति चिह्न और शॉल भेंट किया गया। अभी तक करीब 2 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बना चुकी हैं। आपने 600 से अधिक महिलाओं को क्लब के माध्यम से लोन दिलवाकर उन्होंने आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। आज सैकड़ों महिलाएं सिलाई, जूट बैग निर्माण, अचार बनाना और सीएचसी संचालन जैसे कार्यों से अपने गांव में ही स्वाभिमान के साथ आजीविका चला रही हैं।

कार्यक्रम में सेवा और समर्पण एसोसिएशन के सदस्यों को सम्मानित करते हरिभूमि स्थानीय संपादक हिमांशु घिल्डियाल।

सेवा और समर्पण एसो.

सेवा और समर्पण एसोसिएशन के प्रधान अमित जिंदल और उनकी टीम के अभिषेक, अक्षुण, विशाल मित्तल और राहुल महावर को मानवता और जीव-जंतुओं और मानवता की सेवा के लिए स्मृति चिह्न और शॉल भेंट करें सम्मानित किया गया। संस्था साढ़े चार से संस्था हर रोज सुबह जेएलएन नहर और शहर के अलग-अलग चौराहों पर 1500 पशु-पक्षियों को भोजन करवाती है और भूखे लोगों के लिए भंडारा लगाती है। एसोसिएशन समाज को नई दिशा देने का काम कर रही है।

कार्यक्रम के टाइटल स्पोंसर

एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड, रोहतक

कार्यक्रम के को-स्पोंसर

पठानिया पब्लिक स्कूल, रोहतक, जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, रोहतक, गेल इंडिया लिमिटेड, इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक व जनता टीवी (टेलिविजन पार्टनर)।

एसोसिएट स्पोंसर

एमडीएन पब्लिक स्कूल, रोहतक, रंश मोटर्स एवं निखार कैमिकल्स प्रा.लि., रोहतक, टैलेंटिड रितू इंसान फैशन डिजाइन इंस्टीट्यूट, रोहतक, अर्थव आयुर्वेदिक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कायनोस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रोहतक, जेपी इंटरनेशनल स्कूल, रोहतक, पोजीट्रोन सुपर स्पेशलिटी एंड कैंसर हॉस्पिटल, रोहतक, दॉ आर्यन ग्रुप ऑफ स्कूल्स, रोहतक, जेड ग्लोबल स्कूल, रोहतक, एच. डी. पब्लिक स्कूल, बहु अकबरपुर, रोहतक, केनरा बैंक, रोहतक, एसआरएस. पब्लिक स्कूल, रोहतक, गिरीराज ज्वेलर्स, रोहतक, होटल रिवोली, रोहतक, बीकानेर मिष्ठान भंडार, रोहतक, श्री राधे फर्नीचर, रोहतक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक व एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम)।

तालियों से गूंजता रहा ऑडिटोरियम

वीर रस की रचनाओं ने देशभक्ति का जोश भरा, दर्शक बोल उठे वाह...वाह

समाज को दिशा देती हैं कविताएं : गौतम

कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि साहित्य समाज की आत्मा होता है और कवि उसकी धड़कन। उन्होंने कहा कि खेल मैदान में जो जोश और जज्बा दिखाई देता है, वही जज्बा आज इस सभागार में कविताओं के माध्यम से दिख रहा है। उन्होंने दैनिक हरि भूमि को 15वें कवि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि रोहतक की धरती ने हमेशा साहित्य और संस्कारों को संजोकर रखा है।

साहित्य समाज की आत्मा : राजेश जैन

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि समाज सेवी और एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार और उद्योग समाज की आर्थिक रीढ़ हैं, लेकिन साहित्य उसकी आत्मा है। जब समाज की आत्मा मजबूत होती है, तभी विकास सार्थक होता है। आज यहां हजारों लोगों का एक साथ कविता सुनने के लिए एकत्र होना इस बात का प्रमाण है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें अभी भी मजबूत हैं। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को बढ़ाने का काम करते है।

कुंवर रणजीत चौहान

- बनती नहीं है आज भी खुदा के साथ मेरी, वो मालिक जहान का है, मैं खुद का बादशाह हूं, बनती नहीं आज भी खुदा के साथ मेरी, उस दिन नसीब देखकर वहीं ठहर गए, ये भी नहीं कि जिंदा हैं, ये भी नहीं कि मर गए, वो लोग कोई और थे जो पीके घर चले गए
- सवालों को संभाला जा रहा है, जवाबों को उछाला जा रहा है, मुसलसल याद में रोकर हमारी, हमें दिल से निकाला जा रहा है, कभी सूरज मिले तो पूछना, है कहां तेरा उजाला जा रहा है, हमीं से बात होती जा रही है, हमें बातों में टाला जा रहा है
- दरिया तलाशना, कहीं सहरा तलाशना, मुश्किल है खुद के जैसी दुनिया तलाशनादिल ये तो जानता है गुनहगार कौन है, चेहरे बदल-बदल के वो बदनाम कर गए, हम सोचते रह गए कि किरदार कौन है

महेश गर्ग बेधड़क

पत्नी के साथ फिल्म देखने गया, फिल्म थी कुछ-कुछ होता है, पत्नी बोली, शाहरुख की तरह प्यार क्यों नहीं करते, मैंने बोला उसे तो प्यार का नाटक सिर्फ तीन घंटे करना है, उसे तीन घंटे प्यार करने के लिए पांच करोड़ मिलेंगे, मैंने कभी प्यार जता भी दिया तो 10-20 हजार की चपत मुझे ही लगेगी, सबसे बड़ी बात कि जिसे शाहरुख प्यार कर रहा है, वो दूसरे की पत्नी है
- घड़ी और पत्नी की तुलना...दोनों घूमने से नहीं थकती, दोनों ही दिन रात टिक-टिक करती, एक की जब चाहे चाबी भर सकते हो, दूसरी जब चाहे आपकी चाबी भर सकती है... -एक ज्यादा अच्छी हो तो चोरों की नजर रहती है, दूसरी ज्यादा अच्छी हो तो ओरो की नजर रहती है

मोहन दलाल

- पति पत्नी की नोक झोंक और लड़ाई से बचने का तरीका पत्नी ने फोन पर पूछा, के करै था, तो आपको ये नहीं कहना कि कुछ नहीं कर रहा था अगर कह दिया, तो लड़ाई पक्की, आपको कहना है तन्ने याद करूं था, पत्नी बोले कि सब्जी ले आना तो मना नहीं करनी, उससे पूछना है तुम ही बातओ क्या पसंद है -आपको कोई मौका नहीं देना है जिससे पत्नी लड़ाई करे....पत्नी पूछे की रात के भोजन में क्या बनाऊं, तो यह नहीं कहना कि मटर पनीर बना लो नहीं तो दूसरी तरफ से बहुत कुछ सुनने को मिलेगा, आपको कहना है, जो तुम बनाओगी वही सबसे अच्छा होगा। एक बार एक व्यक्ति बोल गऊ माता की जय, बहू माता की जय, दूसरे ने टोका और कहा बहू माता क्यों तो जवाब मिला मैं तो बालकां की माता बताऊं था...

कुछ ऐसा रहा नजारा...

कवि सम्मेलन का लुत्फ उठाते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल मंत्री हरियाणा सरकार गौरव गौतम, पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु व हरिभूमि के पूर्व संपादक ओमकार चौधरी।

कवियों ने अपनी रचनाओं से दर्शकों को कार्यक्रम के अंत तक बांधे रखा। सामाजिक व समसमायिक विषयों पर कवियों ने जमकर कटाक्ष किए।

कवि सम्मेलन में नारी शक्ति का भी सराहनीय समागम रहा। कवियों की रचनाओं का आनंद लेतीं पद्मश्री डॉ. सुकामा आचार्य व अन्य।

कवि सम्मेलन के को-स्पॉन्सर पठानिया पब्लिक स्कूल रोहतक की प्रतिनिधि रेशमा मल्होत्रा को स्मृति चिन्ह भेंट करते कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, राजेश जैन व मनमोहन गोयल।

कवि सम्मेलन के को-स्पॉन्सर जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के प्रतिनिधि हिमांशु गुप्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते हरिभूमि के स्थानीय संपादक हिमांशु घिल्डियाल।

कवि सम्मेलन के को-स्पॉन्सर इंडस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल दीपक वशिष्ठ को स्मृति चिन्ह भेंट करते राजेश जैन और मनमोहन गोयल।

कवि सम्मेलन के टेलीविजन पार्टनर जनता टीवी के प्रतिनिधि मोनू चौहान को स्मृति चिन्ह भेंट करते मनमोहन गोयल व राजेश जैन।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर एमडीएन पब्लिक स्कूल रोहतक के प्रिंसिपल डॉ. आरएस पंवार को स्मृति चिन्ह भेंट करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु व एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर रंश मोटर्स व निखार केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी राजेंद्र बंसल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हरिभूमि के स्थानीय संपादक हिमांशु घिल्डियाल।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर टैलेंटिड रितू इंसान फैशन डिजाइन इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि प्रिंस पूनिया को स्मृति चिन्ह भेंट करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु व एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर अर्थव आयुर्वेदिक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के के प्रतिनिधि डॉ. दानिश को स्मृति चिन्ह भेंट करते कैप्टन रूद्रसेन सिंधु।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर जेपी इंटरनेशनल स्कूल रोहतक के डायरेक्टर गौरव मलिक को स्मृति चिन्ह भेंट करते मनमोहन गोयल व राजेश जैन।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर द आर्यन ग्रुप ऑफ स्कूल्स रोहतक की वाइस प्रिंसिपल निशू को स्मृति चिन्ह भेंट करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु साथ हैं राजेश जैन व मनमोहन गोयल।

कार्यक्रम के एसोसिएट स्पॉन्सर जेड ग्लोबल स्कूल रोहतक के मीडिया प्रभारी राजीव जैन को स्मृति चिन्ह भेंट करते आर्यन ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन कैप्टन रूद्रसेन सिंधु व साथ हैं राजेश जैन व मनमोहन गोयल।

कवि सम्मेलन के एसोसिएट स्पॉन्सर एचडी पब्लिक स्कूल बहु अकबरपुर, रोहतक के निदेशक सुरेंद्र फोगाट को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

कार्यक्रम के एसोसिएट स्पॉन्सर केनरा बैंक रोहतक के प्रतिनिधि राहुल भूटानी को स्मृति चिन्ह भेंट करते एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजेश जैन, साथ हैं कैप्टन रूद्रसेन सिंधु

हरिभूमि कवि सम्मेलन में विशिष्ट अतिथियों से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते कार्यक्रम के एसोसिएट स्पॉन्सर होटल रिवोली रोहतक के प्रतिनिधि आरपी सैनी।

कार्यक्रम के एसोसिएट स्पॉन्सर बीकानेर मिष्ठान भंडार रोहतक के प्रोपराइटर प्रवीन कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते हरिभूमि के स्थानीय संपादक हिमांशु घिल्डियाल।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते श्री राधे फर्नीचर रोहतक के प्रोपराइटर समीर खुराना।

किसी को नजर नहीं आ रही बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के सामने 2017 से टूटी सड़क

मेला बीता, सीजेआई और गृहमंत्री भी आ चुके, अब मार्च आ गया पर दिल्ली रोड जस का तस

- अमृत योजना के तहन बनाए गए सीवर ज्वाइंट टूटने के कारण उखाड़ी गई थी सड़क
- हजारों लोगों का है आना-जाना, फिर भी नहीं हो पाया निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के सामने स्थित दिल्ली रोर की सड़क कई वर्षों से टूटी पड़ी है, जिससे हजारों लोगों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतों और आश्वासनों के बावजूद सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और विगत वर्ष केंद्रीय गृहमंत्री के शहर आगमन के दौरान भी यह मार्ग चर्चा में रहा।

इसके अलावा बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय मेले का भी समापन हो चुका है। इसके बाद भी सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। लोगों का कहना है कि जब वीआईपी दौरों के समय भी व्यवस्था नहीं सुधरी, तो आम दिनों में उम्मीद करना मुश्किल है। नगर निगम ने फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस सड़क के लिए टेंडर जारी करने का दावा किया था। अधिकारियों के अनुसार, अमृत योजना के तहत बने सीवर सिस्टम के क्षतिग्रस्त होने के कारण सड़क को उखाड़ा गया था।

अमृत योजना के तहत दिल्ली बाइपास से आसपास के गांवों तक सीवर लाइन डाली गई थी। उसी दौरान सड़क को काटकर पाइप लाइन बिछाई गई थी। बाद में सीवर लाइन में आई तकनीकी खामियों के कारण कई स्थानों पर दोबारा खुदाई करनी पड़ी, जिससे सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई। जबकि नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि, पूर्व में भी कई बार इसी तरह के आश्वासन दिए जा चुके हैं।

बीमार हो रहे स्थानीय निवासी

स्थानीय लोगों का कहना है कि टूटी सड़क के कारण धूल और गड्ढों से व्यापार प्रभावित हो रहा है। बारिश के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जब सड़क पर पानी भर जाता है और बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को न्योता देते हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो चुके हैं। यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं और स्टाफ को भी रोजाना इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। लोगों को मिट्टी की वजह से भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र से शहर आने वाले लोगों के लिए यह सड़क मुख्य संपर्क मार्ग है। दिल्ली बाईपास से गांवों को जोड़ने वाली यह लाइन यातायात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। टूटी हुई सड़क की वजह से अधिकतर समय यह मार्ग वनवे ही रहता है। जिससे हादसे होने का और खतरा बना हुआ है।

2017 में दबाई गई थी सीवर लाइन

स्थानीय लोगों के अनुसार दिल्ली रोड से आईएमटी तक 2017 में सीवर लाइन दबाई गई थी। लेकिन सीवर लाइन डालने के बाद सड़क का स्थायी निर्माण नहीं किया गया। समय-समय पर मरम्मत कर दी गई, जो कुछ ही दिनों में फिर से उखड़ जाती थी। इसके चलते सड़क बार-बार टूटती रही और सीवर भी कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया। पिछले कुछ वर्षों में इस सड़क पर कई बार पैचवर्क और मरम्मत का कार्य कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। भारी वाहनों की आवाजाही और कमजोर निर्माण के कारण सड़क जल्दी धंस जाती थी। इससे सीवर लाइन भी डैमेज हो जाती थी और गंदा पानी सड़क पर फैलने लगता था। स्थानीय निवासियों ने कई बार नगर निगम से शिकायत भी की, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही।

नगर निगम ने किया था फरवरी के अंतिम सप्ताह में टेंडर जारी करने का दावा

वाहनों का रहता है जोर

रोजाना यहां से हजारों वाहन गुजरते हैं, जिनमें निजी वाहन, बसें, एंबुलेंस और मालवाहक वाहन शामिल हैं। सड़क की हालत इतनी खराब है कि हल्की बारिश में ही यहां पानी भर जाता है और गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रोहतक। टूटी हुई सड़क से गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। वनवे के कारण सड़क पर बढ़ा हुआ ट्रैफिक। फोटो : हरिभूमि

'उल्लास' पढ़ तो लिये पर प्रमाण पत्र कद मिलेगा इसका बेरा नी

- जिले में 28000 शिक्षार्थियों को दिए जाने हैं साक्षरता प्रमाण पत्र, दो साल से कर रहे इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा के उजियारे को जन-जन तक पहुंचाने वाली उल्लास योजना के तहत रोहतक जिले के उन लगभग 28000 शिक्षार्थियों को अब जल्द ही उनके साक्षरता प्रमाण पत्र मिल सकेंगे, जिन्होंने अक्षर ज्ञान तो प्राप्त कर लिया था, लेकिन लंबे समय से अपने आधिकारिक दस्तावेज का इंतजार कर रहे थे।

शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 के बाद से जिले में साक्षरता प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा सके थे। अब भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने हरियाणा के लिए एसएनए स्पर्श पोर्टल पर पहली मूल स्वीकृति जारी कर दी है। उल्लास समन्वयक शिक्षा विभाग दीपक अरोड़ा ने बताया कि रोहतक जिले के 28000 निरक्षरों के प्रमाण पत्र सॉफ्ट कॉपी के रूप में पोर्टल पर प्राप्त हो चुके हैं। पहले पीएफएमएस पोर्टल पर पैसा आया था वो निकाल लिया है। अब नए पोर्टल एसएनए स्पर्श पर बजट अपलोड कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य न केवल लोगों को साक्षर बनाना है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर एक आत्मनिर्भर भविष्य देना है। लंबित प्रमाण पत्र जारी होना उन शिक्षार्थियों के आत्मविश्वास के लिए बेहद जरूरी है। रोहतक जिले ने साक्षरता अभियान में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तीन साल के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में रोहतक वर्तमान में पूरे हरियाणा प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। यह उपलब्धि जिले के स्वयंसेवकों और शिक्षकों के निरंतर प्रयास का परिणाम है।

शिक्षा विभाग अब अगले सत्र की तैयारियों में भी जुट गया है। मार्च 15 के आसपास सत्र 2025-26 के लिए पंजीकृत निरक्षरों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। एसएनए स्पर्श पोर्टल पर बजट हस्तांतरित होते ही वितरण कार्य शुरू होगा। स्वयंसेवक और शिक्षक घर-घर जाकर निरक्षरों को शिक्षित करने के कार्य में जुटे हुए हैं।

नए पोर्टल पर एसएनए स्पर्श पर बजट अपलोड कर दिया

विभाग से मिले लक्ष्य के अनुसार जिला के स्वयंसेवक व शिक्षक निरंतर काम कर रहे हैं। सत्र 2025-26 के पंजीकृत निरक्षरों के लिए 15 मार्च के आस-पास परीक्षा का आयोजन भी किया जाना है। नए पोर्टल पर एसएनए स्पर्श पर बजट अपलोड कर दिया है। इसकी अब जल्द ट्रेनिंग करवाएंगे कि पैसा कैसे निकालना इस बारे में समझाया जाएगा। इसके तुरंत बाद लगभग 28000 निरक्षरों के साक्षरता प्रमाण पत्र भी जारी किए जाएंगे।

- दीपक अरोड़ा, उल्लास समन्वयक, शिक्षा विभाग।

फैंसी ड्रेस स्पर्धा में महान विभूतियों के वेश में नजर आए नन्हे-मुन्ने बच्चे

महम। एचडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेड़ी महम में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर पांचवीं कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न आकर्षक वेशभूषाओं में मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कूल प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मंच संचालन कौशल को प्रोत्साहित करना था। छोटे-छोटे बच्चों ने भगत सिंह, महात्मा गांधी, डॉक्टर, सैनिक, किसान और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर सुंदर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मनमोहक अदाओं और प्रभावशाली संवादों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। उपप्राचार्या इंदु नहरा व स्कूल निदेशक कुलवंत नहरा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

द आर्यन पब्लिक स्कूल लाखन माजरा में हुई दूसरी स्कॉलरशिप परीक्षा

- विज्ञान प्रदर्शनी और चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

द आर्यन पब्लिक स्कूल, लाखन माजरा में को एडमिशन कम स्कॉलरशिप परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय द्वारा आयोजित यह दूसरी स्कॉलरशिप परीक्षा थी और अपेक्षा से अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लेकर विद्यालय के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में प्रस्तावित विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी इसी दिन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए। कक्षा तीसरी से पांचवीं तक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, वहीं कुछ कुछ विद्यार्थियों ने शूटिंग रेंज निशाने लगा कर देखे और कई खेल गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट विद्यालय में हुआ एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट

100% तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का मिला अवसर

- विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता एवं विषयगत समझ परखना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में कक्षा पहली से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट व एंपावरिंग पैरेंट वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय की "लर्निंग बियोंड टेक्सटबुक्स" एवं ऑक्सफोर्ड करिकुलम आधारित शिक्षण पद्धति के अंतर्गत यह परीक्षा विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता एवं विषयगत समझ को परखने हेतु आयोजित की गई। विद्यालय में आयोजित इस परीक्षा में विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक प्रतिभा प्रदर्शित करने एवं 100% तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों के लिए आयोजित एक विशेष एंपावरिंग पेरेंट्स सैशन में विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक व उप प्रधानाचार्या मधुलिका द्वारा सकारात्मक अभिभावकत्व, बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, तथा डिजिटल युग में संतुलित परवरिश जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सैशन से जुड़ी उपयोगी जानकारियां प्राप्त कीं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष पर व्यक्त की चिंता

रोहतक। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में मध्य पूर्व की स्थिति अत्यंत संवेदनशील बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ अशोक कुमार रंगा ने वर्तमान युद्ध पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय सूचनाओं के अनुसार फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह से क्षेत्र में हवाई हमलों, मिसाइल प्रक्षेपणों तथा ड्रोन हमलों की घटनाएं सामने आई हैं। इन कार्रवाई का दायरा सीमित सैन्य ठिकानों से प्रारंभ होकर सामरिक प्रतिष्ठानों तक विस्तारित बताया जा रहा है। हालांकि सटीक "लंबाई" या कुल अवधि का आधिकारिक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय आंकड़ा अभी स्पष्ट रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया है, फिर भी यह स्पष्ट है कि यह संघर्ष अल्पकालिक घटना न रहकर क्षेत्रीय तनाव की एक श्रृंखला का हिस्सा बन चुका है।

हिंदू पब्लिक स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

रोहतक। माल गोदाम रोड स्थित हिंदू पब्लिक स्कूल, रोहतक का वार्षिकोत्सव रविवारा को माधव सभागार, लाल नाथ हिन्दू कॉलेज, भिवानी रोड में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचदशनाम जूना अखाड़ा के उप आचार्य, गौकर्ण पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी कपिलपुरी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में रुद्राक्ष मिड्ढा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में हिमांशु ग्रोवर, विजय विज, राजेश कुमार सहगल एवं सुदर्शन कुमार ढींगरा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यार्थियों ने देशभक्ति, नैतिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता पर आधारित नृत्य, नाटक व समूहगान की भव्य प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्याम कपूर सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या डॉ. मीनू कुमार ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सर्वांगीण विकास को विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बताया।

विज्ञान दिवस पर प्रयोगात्मक सोच व अंधविश्वास-मुक्त शिक्षा का दिया संदेश

रोहतक। एचएम पब्लिक स्कूल में विद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विविध शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं सदर्भ व्यक्ति के रूप में सतबीर नांगल (भूतपूर्व सचिव, हरियाणा विज्ञान मंच) उपस्थित रहे। उन्होंने विज्ञान शिक्षण की पारंपरिक पद्धतियों में बदलाव की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विज्ञान को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर प्रयोग, तर्क और अनुभव के माध्यम से पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने विज्ञान में प्रयोगों को प्रोत्साहित करने तथा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने अनेक सरल लेकिन प्रभावशाली वैज्ञानिक प्रयोग प्रस्तुत किए, जिन्हें सामान्यतः लोग चमत्कार मान लेते हैं। प्रदर्शनी में दव्यांश शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा बनाया गया मॉडल आकर्षण का केन्द्र रहा।

DAV PUBLIC SCHOOL
DLF/KAMLA NAGAR, ROHTAK PHONE 01262-269279
TENDER NOTICE
Sealed tenders on prescribed form of Rs. 500/- (non-refundable) available in the school office on any working day between 9:00 a.m. to 1 p.m. are invited from the experienced contractors for session 2026-27 for Security Agency.
The undersigned has the right to accept/reject any tender without assigning any reason. Any matter will be dealt with the jurisdiction of Rohtak.
Last date after 4th day from date of advertisement.
Principal Manager

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईंस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाण-पत्रों के साथ आकर मिलें।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
Neuro Surgery
General Medicine
General Surgery
Orthopedics
ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
हरियाणा सरकार
आयुष्मान भारत
ESIC के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

अलर्ट साइबर ठगी से बचने के लिए पुलिस ने की एडवाइजरी जारी

समझदारी और सावधानी ही कर सकती है साइबर अपराधियों से बचाव: एसपी

- जानकारी की कमी और जल्दबाजी हैं साइबर ठगी की बड़ी वजह
- ऑनलाइन खरीदारी करते समय वेबसाइट के यूआरएल में केवल "एचटीटीपी" नहीं बल्कि "एचटीटीपीएस" होना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर रोहतक पुलिस ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने कहा कि साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं और ऐसे में आम नागरिकों को अधिक सतर्क और समझदार रहने की आवश्यकता है। जागरूकता और सावधानी ही साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस* द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद ठगी के मामले सामने आ रहे हैं, जिनका मुख्य कारण जानकारी की कमी और जल्दबाजी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है और प्रत्येक नागरिक को डिजिटल लेनदेन करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी में नागरिकों को कुछ अहम बातों का ध्यान रखने की सलाह दी गई है। ऑनलाइन खरीदारी करते समय वेबसाइट के यूआरएल में केवल "एचटीटीपी" नहीं बल्कि "एचटीटीपीएस" होना जरूरी है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई भी एप्लीकेशन डाउनलोड न करें। एटीएम से लेनदेन करते समय अपना पिन किसी को न बताएं और न ही दिखाएं। यदि ट्रांजैक्शन में समस्या आए तो किसी अपरिचित व्यक्ति की मदद न लें।

इसके अलावा बैंक डिटेल, एटीएम कार्ड नंबर, कार्ड की एक्सपायरी डेट और कार्ड के पीछे लिखा सीवीवी नंबर किसी के साथ साझा न करें। ऑनलाइन नेट बैंकिंग का उपयोग हमेशा अपने पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल से ही करें। किसी अनजान नंबर से आए फोन कॉल, मैसेज या व्हाट्सएप लिंक और फोटो पर क्लिक न करें। 5जी नेटवर्क में शिफ्ट कराने के नाम पर होने वाली ठगी से भी सतर्क रहें।

यहां करें शिकायत

एसपी भौरिया ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो तुरंत भारत सरकार द्वारा जारी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं। यदि किसी कारणवश यह नंबर न लगे तो डायल 112 पर भी सूचना दी जा सकती है। दोनों नंबर 24 घंटे कार्यरत हैं। इसके अलावा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या नजदीकी थाना, साइबर हेल्प डेस्क अथवा साइबर थाना रोहतक में भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। समय पर शिकायत करने से ठगी की रकम वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

अक्टूबर माह में लापता हुई बच्ची माता-पिता को सौंपी

रोहतक। अक्टूबर 2025 में सोनीपत शहर के बाहर एक मंढ़ी के पास एक लावारिस अवस्था में नवजात शिशु चाइल्ड गर्ल बाल कल्याण समिति सोनीपत के माध्यम से बाल कल्याण समिति रोहतक के निर्देशन में यह नन्ही बालिका चौ. लखीराम आर्य विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में आई बच्ची को कारा व सारा के नियमानुसार माननीय जिलाधिकारी ने बालिका को कलकत्ता में रहने वाले माता-पिता को सुपुर्द कर दिया। इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप, चेयरमैन सतीश कौशिक, पुनम, दीपिका प्रोग्राम अधिकारी, आश्रम की सुपरवाइजर पायल व मैनेजर संदीप कुमार उपस्थित थे। इस समय चौ लखी राम विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में 6 बच्चे रह रहे हैं जिनमें 3 चाइल्ड बॉयज व 3 चाइल्ड गर्ल्स हैं।

आर्य स्कूल में धूमधाम से मनाया होली उत्सव

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में होली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सिवानी मंडी की एसडीएम विजया मलिक और विधायक बलराम दांगी की पत्नी अन्नु दांगी ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।